॥ गायत्री आरती ॥

.. Gayatri Arati ..

sanskritdocuments.org

July 25, 2016

Document Information

Text title : Gayatri Arati
File name : gAyatrIAratIHindi.itx
Category : AratI
Location : doc_devii
Author : unknown
Language : Hindi
Subject : philosophy/hinduism/religion
Transliterated by : sunder hattangadi
Proofread by : sunder hattangadi
Description-comments : From the book - Gayatri Maha-Vijnana
Latest update : February 20, 2014
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
Site access : http://sanskritdocuments.org

॥ गायत्री आरती ॥

जयति जय गायत्री माता, जयति जय गायत्री माता ।
आदि शक्ति तुम, अलख निरञ्जन, जग पालन कर्त्री ।
दुःख शोक भय, क्लेश कलह, दारिद्र्य दैन्य हर्त्री ॥

ब्रह्म रूपिणी, प्रणतपालिनी, जगतधातृ अम्बे ।
भवभयहारी, जनहितकारी, सुखदा जगदम्बे ॥

भय हारिणी, भव तारिणी अनघे, अज आनन्द राशी ।
अविकारी, अघहरी, अविचलित, अमले, अविनाशी ॥

कामधेनु सतचित आनन्दा, जय गङ्गा गीता ।
सविता की शाश्वती शक्ति तुम, सावित्री सीता ॥

ऋग्, यजु, साम, अथर्व प्रणयिनी, प्रणव महामहिमे ।
कुण्डलिनी सहस्रार, सुषुम्ना शोभा गुण गरिमे ॥

स्वाहा, स्वधा, शची, ब्रह्माणी, राधा, रुद्राणी ।
जय सतरूपा वाणी, विद्या, कमला कल्याणी ॥

जननी हम हैं दीन हीन, दुःख दारिद के घेरे ।
यदपि कुटिल कपटी कपूत, तौ बालक हैं तेरे ॥

स्नेह सनी करुणामयि माता, चरण शरण दीजै ।
बिलख रहे हम शिशु सुत तेरे, दया दृष्टि कीजै ॥

काम क्रोध, मद लोभ दम्भ,दुर्भाव द्वेष हरिये ।
शुद्ध बुद्धि, निष्पाप हृदय, मन को पवित्र करिये ॥

तुम समर्थ सब भौति तारिणी, तुष्टि पुष्टि त्राता ।
सत मारग पर हमें चलाओ जो है सुखदाता ॥
जयति जय गायत्री माता । जयति जय गायत्री माता ॥

Encoded and proofread by Sunder Hattangadi

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

.. Gayatri Arati ..
was typeset on July 25, 2016

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*